शहरी एवं ग्रामीण विकास का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, उद्देश्य, महत्व तथा इनसे संबंधित नीतियों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

प्रस्तावना

भारत एक विकासशील देश है, जहाँ लगभग दो-तिहाई जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जबकि शहरी क्षेत्रों का भी तीव्र गति से विस्तार हो रहा है। देश के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों का समान रूप से विकास आवश्यक है। ग्रामीण विकास से कृषि, रोजगार और जीवन स्तर में सुधार होता है, जबकि शहरी विकास से आधुनिक सुविधाओं, उद्योगों और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। इसलिए सरकार विभिन्न नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से दोनों क्षेत्रों के समग्र विकास का प्रयास करती है।

1. ग्रामीण विकास (Rural Development)

अर्थ

ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक जीवन स्तर में सुधार लाने की प्रक्रिया को ग्रामीण विकास कहते हैं।

परिभाषा

विश्व बैंक (World Bank) के अनुसार— "ग्रामीण विकास वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब एवं कमजोर वर्गों के जीवन स्तर तथा आय में सुधार किया जाता है।"

ग्रामीण विकास की विशेषताएँ

1. कृषि एवं कृषि आधारित उद्योगों का विकास।

2. रोजगार के अवसरों का सृजन।

3. शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार।

4. ग्रामीण सड़क, बिजली, पेयजल एवं सिंचाई का विकास।

5. जनसहभागिता एवं स्थानीय नेतृत्व को बढ़ावा।

6. महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्गों का सशक्तिकरण।

7. प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं सतत विकास।

ग्रामीण विकास के उद्देश्य

ग्रामीण गरीबी एवं बेरोजगारी को कम करना।

कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि करना।

ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं का विकास।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता का विस्तार।

महिलाओं एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना।

सामाजिक समानता एवं सामाजिक न्याय स्थापित करना।

ग्रामीण विकास का महत्व

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है।

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

ग्रामीण-शहरी पलायन को कम करता है।

सामाजिक एवं आर्थिक असमानताओं को घटाता है।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देता है।

2. शहरी विकास (Urban Development)

अर्थ

शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं, रोजगार, आवास, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पर्यावरण के विकास की प्रक्रिया को शहरी विकास कहा जाता है।

परिभाषा

शहरी विकास वह योजनाबद्ध प्रक्रिया है जिसके द्वारा शहरों को आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल तथा रहने योग्य बनाया जाता है।

शहरी विकास की विशेषताएँ

1. आधुनिक आधारभूत संरचना का विकास।

2. आवास एवं परिवहन सुविधाओं का विस्तार।

3. स्वच्छ जल एवं सीवरेज व्यवस्था।

4. उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास।

5. हरित क्षेत्र एवं पर्यावरण संरक्षण।

6. स्मार्ट तकनीक एवं डिजिटल सेवाओं का उपयोग।

7. नागरिक सुविधाओं का विस्तार।

शहरी विकास के उद्देश्य

नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना।

स्वच्छ एवं सुरक्षित शहरों का निर्माण।

रोजगार एवं निवेश को बढ़ावा देना।

यातायात एवं प्रदूषण की समस्या कम करना।

सतत एवं समावेशी शहरी विकास सुनिश्चित करना।

शहरी विकास का महत्व

औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को गति मिलती है।

रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होता है।

आधुनिक जीवन सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं।

राष्ट्रीय आय एवं निवेश में वृद्धि होती है।

ग्रामीण एवं शहरी विकास से संबंधित प्रमुख नीतियाँ

1. राष्ट्रीय ग्रामीण विकास नीति

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, कृषि, आधारभूत सुविधाओं एवं गरीबी उन्मूलन पर बल देती है।

2. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)

प्रत्येक ग्रामीण परिवार को वर्ष में 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण परिसंपत्तियों के निर्माण का प्रावधान।

3. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)

ग्रामीण क्षेत्रों को सभी मौसमों में उपयोग योग्य पक्की सड़कों से जोड़ना।

4. दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं एवं गरीब परिवारों को स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान करना।

5. प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी)

सभी पात्र परिवारों को पक्का एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना।

6. स्मार्ट सिटी मिशन

आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित एवं तकनीकी रूप से सक्षम शहरों का विकास करना।

7. अटल मिशन फॉर रीजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (AMRUT)

शहरी क्षेत्रों में जलापूर्ति, सीवरेज, हरित क्षेत्र एवं सार्वजनिक सुविधाओं का विकास।

8. स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण एवं शहरी)

स्वच्छता, शौचालय निर्माण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना।

9. राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NULM)

शहरी गरीबों को कौशल विकास, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।

ग्रामीण एवं शहरी विकास में अंतर

आधार	ग्रामीण विकास	शहरी विकास
क्षेत्र	गाँव	शहर

मुख्य आधार	कृषि एवं ग्रामीण उद्योग	उद्योग एवं सेवा क्षेत्र
उद्देश्य	ग्रामीण जीवन स्तर सुधारना	शहरी जीवन स्तर एवं सुविधाएँ बढ़ाना
प्रमुख समस्या	गरीबी, बेरोजगारी, आधारभूत सुविधाओं की कमी	भीड़, प्रदूषण, आवास एवं यातायात
प्रमुख योजनाएँ	मनरेगा, PMGSY, NRLM	स्मार्ट सिटी, AMRUT, NULM

समाज कार्य के दृष्टिकोण से महत्व

सामाजिक न्याय एवं समान अवसर सुनिश्चित करता है।

कमजोर एवं वंचित वर्गों का सशक्तिकरण करता है।

सामुदायिक सहभागिता एवं स्थानीय नेतृत्व को बढ़ावा देता है।

सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करता है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच विकासात्मक असमानता को कम करता है।

निष्कर्ष

ग्रामीण एवं शहरी विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। किसी भी राष्ट्र का संतुलित एवं सतत विकास तभी संभव है जब गाँव और शहर दोनों का समान रूप से विकास हो। सरकार की विभिन्न नीतियाँ एवं योजनाएँ रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास करती हैं। समावेशी विकास, जनसहभागिता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित ग्रामीण एवं शहरी विकास ही भारत के समग्र विकास का आधार है।